।। श्री महावीराय नमः ।। ।। श्री वीतरागाय नमः ।। ।। नमो नाणस्स ।।

श्री बृहद् मुंबई वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ

संचालित मातुश्री मणिबहेन मणशी भीमशी छाडवा (सामखीयारीवाळा)
धार्मिक शिक्षण बोर्ड आयोजित वार्षिक परीक्षा जैनशाळानुं पेपर

ता. ११/०१/२०१५ समय : ९ थी १२ श्रेणी : १ कुल गुण : १००

प्र-१ (अ) नीचे दिये हुए पाठों की पूर्ति करो। (२५)

(१) इरिया वहियाए ... वोयक्कमणे (५) दुविहं ... वयसा
(२) आयाहिणं ... सक्कारेमि (६) नमोत्थुणं ... सयं-संबुद्धाणं
(३) सन्नत्थ ... छीएण (७) न पालियं ... आणाए
(४) अरिहंते ... भंजियंच

(ब) नीचे दिये हुए शब्दोंका गुजराती अर्थ लिखो। (कोई भी १५) (१५)

(१) नमो सिद्धाणं (२) तिक्खुत्तो (३) पणग (४) वोसिरामी
(५) सम्माणेमि (६) इच्छामि (७) अेगिंदिया (८) उत्तरी-करणेणं
(९) उदविया (१०) भोगेणं (११) देवयं (१२) दग (१३) अभग्गो (१४) अभिहया
(१५) नमो उवज्झायाणं (१६) लेसिया (१७) भमालिये

(क) एक वाक्यमां जवाब लिखो।

(१) तिर्थंकर भगवान जेनी स्थापना करे तेने शुं कहेवाय? (८)
(२) जे पाँच महाव्रत धारे अने अढार पापनो त्याग करे ते कोण?
(३) जे बोलवाथी भवभवना पाप धोवाय ते शुं?
(४) नवकारना पाँच पदमांथी शरीर कोने न होय?
(५) देव अने गुरुने केटलीवार वंदना करवी जोईये?
(६) सिद्ध भगवान अने अरिहंत भगवानमांथी मोटा कोण?
(७) जे धर्मने सांभळीने शक्ति प्रमाणे आचरण करे ते कोण?
(८) वंदना करवाथी कयो गुण मळे छे?

(ड) जोडी बनाओ। (२)

(अ)	(ब)
(१) आहार न करो	(१) अभयकुमार
(२) मध्यम वंदना	(२) तिर्थंकर
(३) तीर्थनी स्थापना करनार	(३) आचार्य
(४) नवकार मंत्र बोलवानो लाभ	(४) सिद्ध भगवान
	(५) तिक्खुत्तो

प्र.२ नीचे पूछे हुए नाम लिखो। (२५)

(१) त्रीजा अने आठमा तिर्थंकर (२) बीजा अने पाँचमा गणधर
(३) पहेला अने सातमा श्रावक (४) छट्ठा अने दसमा सती
(५) बीजु अने पाँचसु छकाय (६) त्रीजु अने नवमु तत्व
(७) चोथु अने सातमु कर्म (८) आपणो धर्म कयो?

प्र-३ (अ) नीचे दिये हुए प्रश्नोंके जवाब लिखो। (२१)

(१) आत्माना गुणोने प्रगटावे ते शुं ?

(२) जमती वखते शुं राखवुं जोईये ?

(३) जयजिनेन्द्र बोलवाथी कोनी जय थाय छे ?

(४) डाह्यो कोण ?

(५) अमूल्य समय शेमां न गुमाववो जोईये ? (२ मुद्दा)

(६) मोटाई केटला प्रकारनी छे ?

(७) हुं केवा शब्दो बोलीश नहीं ? (२ मुद्दा)

(८) धर्मनुं पुस्तक शेना पर राखीने वाँचवुं जोईये ?

(९) तमे तमारा माता-पितानुं शुं सहन करशो ?

(१०) रोज सवारे उठीने पहेला शुं करीओ ?

(११) आनुपूर्वीमां २ होय त्यां शुं बोलाय ?

(ब) खरा - खोटा लिखो। (४)

१ जीवने दुर्गतिमां पडतां अटकावे तेने धर्म कहे छे।

२ हुं कुमित्रोनी सोबत करीश।

३ हुं तिथिना दीवसे लीलोतरीनो त्याग करीश।

४ अमूल्य मानव भव गुमावे ते शूरवीर।

प्र.४ कथा के आधार पर जवाब लिखो। (२०)

(१) भगवान महावीर ज्यारे गर्भमां हता त्यारे केटला ज्ञानना धारक हता ? भगवाननी माताने केटला स्वप्न आव्या ? (मात्र अंक)(२)

(२) नवकारमंत्र अमरकुमारने कोणे शिखडाव्यो हतो ? (२)

(३) राजकुमारनी कई वात पर माता-पिताने आश्चर्य थयुं ? (२)

(४) भगवान महावीरनी वार्ता उपरथी शुं बोधपाठ मळे छे ? (२मुद्दा)(२)

(५) किसने किससे कहा ? (४)

१. "आप स्वरेखर खूब ज बलवान छो, तेथी आप महावीर छो।"

२. "सोनैया तो बत्रीस लक्षणा पुत्रना बदलामां मळवानी छे, फोगटमां नहीं"

३ "हुं पण आपनी साथे भगवानने वंदन करवा आवुं छुं।"

४ "अरे पुत्र, तमे तो हजु नाना छो!"

प्र.५ काव्य पूर्ति करो। (१०)

(१) जन्मया छे तो धर्मने माटे .... मरवुं छे तो धर्मने माटे।

(२) सकल मंगल महीं मंगल .... जीतीने राग द्वेषोने।

(३) नानां नानां भूलका .... जंबू जेवा थईये।

(४) हसतां-रमतां रहीओ .... शासनने झळकावीओ।